



मंडला : गणेश पंडाल में बड़ा हादसा करंट फैलने से 4 की मौत, 2 घायल

मंडला, यशभारत। मंडला के नैनपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव में गणेश पंडाल में करंट फैलने से बड़ा हादसा हो गया. गणेश विसर्जन के बाद पंडाल में सो रहे 7-8 युवकों में से 4 की मौत हो गई, जबकि 3 युवक घायल हुए हैं. हादसा सुबह करीब 5:30 बजे हुआ. मृतकों की पहचान जैनु भांवरे (19), रवि झारिया (24), कृष्ण कुमार भांवरे (18) और विरेन्द्र भांवरे (24) के रूप में हुई है. घायल प्रियांशु को जिला अस्पताल रफर किया गया है, जबकि दो अन्य का नैनपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है. नैनपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक, गांव में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की गई थी और विसर्जन के बाद पंडाल में करीब 7 से 8 युवक सो रहे थे. सुबह करीब 5:30 बजे अचानक पंडाल में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से सोंप हुए युवक बुरी तरह झुलस गए. हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला।

प्लास्टिक मॉल्टिंग फैक्टरी में भीषण आग, तीन कर्मचारी मामूली घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के समायपुर बादली औद्योगिक क्षेत्र फेज-2 में शुक्रवार देर रात प्लास्टिक मॉल्टिंग फैक्टरी में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में फैक्टरी में काम करने वाले तीन कर्मचारी मामूली रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुटी दे दी गई। दमकल विभाग के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 12:35 बजे फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आसपास के दमकल केंद्रों से तीन गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचने के बाद दमकल अधिकारियों ने आग की आगवहता को देखते हुए तत्काल सात और दमकल गाड़ियों को बुलाया। इसके बाद कुल 10 दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकलकर्मियों ने आग को फैलने से रोकने के लिए अलग-अलग हिस्सों से मोर्चा संभाला। जांच के दौरान पता चला कि फैक्टरी में प्लास्टिक मॉल्टिंग का काम होता था। प्लास्टिक सामग्री मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैल गई। फैक्टरी बेसमेंट, भूतल, पहली और दूसरी मंजिल के अलावा छत पर बने अस्थायी ढांचे में भी फैली हुई थी। करीब 250 वर्ग गज क्षेत्र में बनी फैक्टरी में आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसी बीच दमकल विभाग को फैक्टरी में तीन कर्मचारियों के घायल होने की जानकारी मिली। घायलों की पहचान धर्मवीर (32), मोहम्मद शाह्मूख (41) और अमित (34) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने तीनों को उपचार के लिए अंबेडकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को अस्पताल से छुटी दे दी।

फ्लाइट रिशेड्यूल के बाद यात्री को बोर्डिंग से रोका, डींगों पर 67,713 रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जिला उपमेवता निवार निवारण आयोन-६ (नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट) ने इंटरनल्लोब एविश्टन लिमिटेड (डिडो) को यात्री को पलाइट रिशेड्यूल होने के बाद बोर्डिंग से रोकने के मामले में सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी द्हरया है। आयोन ने एयरलाइन को यात्री को कुल करीब 67,713 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। मामला 3 फरवरी 2019 का है। जानकारी के अनुसार, डेजी अग्रवाल ने दिल्ली से बंगलुरु जाने के लिए डीडो की पलाइट बुक की थी। पलाइट का निर्धारित समय दोपहर करीब एक बजे था, लेकिन एयरलाइन ने परिवालन कार्यों से उड़ान का समय बदलकर रातन चार बजे कर दिया। यात्री का बयान था कि वह संशोधित समय को ध्यान में रखते हुए करीब 2:45 बजे एयरपोर्ट पहुंची थी। डेजी अग्रवाल के अनुसार, एयरपोर्ट पहुंचने के बाद डीडो के कर्मचारियों ने उन्हें बोर्डिंग पास जारी करने से इनकार कर दिया। एयरलाइन की ओर से उन्हें ‘नो गो’ माना गया। इसके बाद यात्रा पूरी करने के लिए उन्हें दूसरी पलाइट का टिकट खरीदना पड़ा, जिस पर 12,713 रुपये खर्च हुए। मामला उपमेवता आयोन के समक्ष पहुंचने के बाद पीठ ने एयरलाइन की ओर से पेश किए गए तथ्यों और द्हरातोंपर जे विचार किया।



चार युवकों की मौत

इस दर्दनाक हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों की पहचान जैनु भांवरे (19 वर्ष), रवि झारिया (24 वर्ष), कृष्ण कुमार भांवरे (18 वर्ष) और विरेन्द्र भांवरे (24 वर्ष) के रूप में हुई है. यह सभी युवा गांव के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं।

तीन घायल, इलाज जारी

हादसे में घायल हुए तीन युवकों में से एक, प्रियांशु, का इलाज फिलहाल जिला अस्पताल में चल रहा है, जिसे हालत गंभीर होने के कारण रैफर किया गया था. वहीं दो अन्य घायलों का इलाज नैनपुर अस्पताल में किया जा रहा है. सभी घायलों की हालत पर डॉक्टरों की टीम नजर बनाए हुए है.

डायल-112 के व्हाट्सऐप पर सीएम को धमकी, संदेश डिलीट किया फिर भी बच नहीं पाया आरोपी

भोपाल, यश भारत । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी देने के मामले में भोपाल क्राइम ब्रांच ने मुंबई से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने डायल-112 के व्हाट्सऐप नंबर पर धमकी भरा संदेश भेजा था। संदेश को बाद में दो बार संपादित करने के बाद डिलीट कर दिया गया, लेकिन डायल-112 कर्मचारियों ने समय रहते उसका स्क्रीनशॉट सुरक्षित कर लिया। इसी साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने तकनीकी जांच आगे बढ़ाई और आरोपी तक पहुंच गई।



भोपाल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद प्रकरण क्राइम ब्रांच को सौंपा गया और पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की।

कच्ची दीवार ढहने से पति-पत्नी और आठ वर्षीय बेटे की मौत

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। जिले के नीमगांव थाना क्षेत्र के रहमतपुर गांव में शनिवार तड़के लगातार बारिश के बीच कच्चे मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार के नीचे सो रहे पति-पत्नी और उनके आठ वर्षीय बेटे की दबकर मौत हो गई। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से गांव में मातम पसर गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मलबा हटाकर शवों को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, रहमतपुर निवासी मोहन कश्यप (50) अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में सो रहे थे। शनिवार तड़के अचानक मकान की कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। उस समय मोहन कश्यप, उनकी पत्नी कविता कश्यप (45) और आठ वर्षीय बेटा नानू कश्यप मलबे की चपेट में आ गए। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके



पर पहुंच गए। हादसे की जानकारी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इस्लाम ने पुलिस और प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लेखपाल अनुज वर्मा और नीमगांव थाना प्रभारी प्रवीर कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद मलबे में दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। एक ही परिवार के

तीन सदस्यों की मौत की खबर फैलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों के अनुसार, जिले में शुक्रवार से लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवार कमजोर हो गई थी। इसी बीच तड़के दीवार अचानक ढह गई और परिवार के तीन सदस्य उसकी चपेट में आ गए। हादसे का बाद आसपास रहने वाले लोगों में भी कच्चे मकानों को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना की सूचना पर राजस्व विभाग की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से हादसे से हुए नुकसान की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने भी घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार बारिश के बीच हुए इस हादसे ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। मोहन कश्यप, उनकी पत्नी कविता और बेटे नानू की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शतरंज ओलंपियाड के नौवें दौर में डी गुकेश के शानदार प्रदर्शन से भारत ने जर्मनी को हराया

उज्बेकिस्तान, एजेंसी।

उज्बेकिस्तान के समरकंद में 46वें शतरंज ओलंपियाड के नौवें दौर में विरव चैपियन डी. गुकेश के शानदार प्रदर्शन से भारत ने जर्मनी को डेढ के मुकाबले ढाई अंक से पराजित किया। इस जीत के बाद भारतीय एक्स टीम दूसरे स्थान पर आ गई है। भारत के रणेशबाबू फ़ज़ानन्द और गार्मेट के विनसेंट कीमर के बीच पहली बाजी ड़ाई रही। अर्जुन ऐरीगेसी ने मथायस बल्गुबॉम के साथ दूसरी बाजी ड़ाई खेली। निखल सरीन और फ़्रेड्रिक खाने के बीच तीसरी बाजी भी ड़ाई रही। चौथी और



निर्णायक बाजी में डी. गुकेश ने पिछले के बाद वापसी करते हुए एलेक्जेंडर डॅनरोवैक को हराकर भारत को जीत दिला दी। अब दसवें दौर में भारत का मुकाबला

उज्बेकिस्तान से होगा। महिला वर्ग के नौवें दौर में भारतीय टीम, उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर दूसरे स्थान पर आ गई है। भारत की बी. सविता श्री और उज्बेकिस्तान की करीमोवा गुलदोना के बीच बाजी ड़ाई रही। सविता ने प्रतियोगिता में पिछली सात बाजियां लगातार जीती थीं। कोनेरु हनपी और आफरूजा खानमदामोवा के बीच भी बाजी ड़ाई रही।

नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी, तीन कोचों के शीशे टूटे

नागपुर, एजेंसी। नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में शुक्रवार रात पत्थरबाजी की घटना सामने आई। ट्रेन नंबर 12290 बोरखेड़ी-सिंदी सेक्शन से गुजर रही थी, तभी करीब रात 8:27 बजे बाहर से किसी वस्तु या पत्थर के खिड़कियों से टकराने की सूचना मिली। घटना में ट्रेन के ए-1, बी-2 और बी-5 कोच की खिड़कियों के शीशे टूट गए। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक किसी व्यक्ति ने बाहर से पत्थर फेंका था। हालांकि, घटना की सही जगह और पत्थर फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलने के बाद संवेदनशील इलाकों से 2,259 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। कुछ बुलटू टूटने और एनएच-326 पर पानी बहने से सैकड़ों वाहन फंस गए। केंद्रापड़ा में हजारी छ्क मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। नंदाहंडी में 344 मिलीमीटर और कोरापुट के



तलाशी अभियान चलाया। बोरखेड़ी और ब्राह्मणी गांव के आसपास के इलाकों की भी जांच की गई। पुलिस ने स्थानीय पुलिस पाटिल और ग्रामीणों से पूछताछ की, लेकिन मौके से कोई संधिध व्यक्ति या ठोस सुराग नहीं मिला। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, एस्कॉर्ट स्टाफ यात्रियों ने भी पुष्टि कर कि करीब 8:27 बजे बाहर से कोई वस्तु या पत्थर आकर ट्रेन की खिड़कियों से टकराया था। घटना में तीन कोचों की खिड़कियों के शीशे टूटे। उपलब्ध जानकारी के



दिया। एक समय दोनों टीमों के बीच अंतर महज एक अंक रह गया और स्कोर 27-26 तक पहुंच गया। इस स्थिति में भारतीय टीम पर दबाव बढ़ गया था, लेकिन खिलाड़ियों ने धैर्य नहीं खोया और महत्वपूर्ण मौकों पर अंक हासिल करते हुए मुकाबले में अपनी पकड़ बनाए रखी। मैच के निर्णायक दौर में भारतीय खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने खेल का स्तर ऊंचा किया। डिफेंस में मजबूत प्रदर्शन के साथ रेडरों ने भी जरूरी अंक जुटाए। भारत ने ईरान को बराबरी का मौका नहीं दिया और 37-34 के स्कोर के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों के जीत के साथ ही कोर्ट पर जश्न का माहौल बन गया। फाइनल में संजू देवी ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया। उन्होंने महत्वपूर्ण समय पर शानदार रेड करते हुए भारत के खाते में जरूरी अंक जोड़े। उनके प्रदर्शन ने टीम

को निर्णायक बढ़त बनाने में मदद की। भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में एकजुट होकर खेलते हुए ईरान की वापसी की कोशिशों को नाकाम कर दिया। भारतीय टीम को टूर्नामेंट की शुरुआत से ही स्वर्ण पदक का प्रमुख दावेदार माना जा रहा था। टीम ने फाइनल तक का सफर अजेय रहते हुए तय किया और अपने सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की। खिलाड़ियों के लगातार बेहतर प्रदर्शन ने खिताब की उम्मीदों को मजबूत किया था। टीम की कोच ने टूर्नामेंट के दौरान भारतीय कबड्डी की ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा था कि कबड्डी भारत का खेल है और इसमें भारतीय टीम को हराना आसान नहीं है। फाइनल में जीत के बाद टीम ने अपने प्रदर्शन से इस भरोसे को मजबूती दी। महिला कबड्डी टीम के स्वर्ण पदक ने एशियन गेम्स में भारत के अभियान को भी मजबूती दी है।

140 की रफ्तार में डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, खाई में गिरे तीन लोगों की मौत

आगरा, एजेंसी। *आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद कई बार पलट गई। हादसे में पीछे की सीट पर बैठे तीन लोग कार से बाहर निकलकर करीब 30 फीट गहरी खाई में जा गिरे। नीचे पत्थरों पर गिरने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक समेत दो लोग घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची डैकी थाना पुलिस और यूपीड का टीम ने घायलों को अस्पताल भेजा और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।*



दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही डैकी थाना पुलिस और यूपीड का टीम घटनास्थल पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए पुलिस ने कार में फंसे और घायल दोनों लोगों को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने खाई में गिरे तीनों लोगों के शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे में कार चालक और आगे की सीट पर बैठा एक अन्य युवक घायल हुआ है। दोनों का अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक कार में सवार सभी पांच लोग दिल्ली के रहने वाले बताए जा रहे हैं। थानाध्यक्ष डैकी सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि कार डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई थी। पीछे की सीट पर बैठे तीन लोग कार से बाहर निकलकर पत्थरों पर जा गिरे, जिससे उनकी मौत हो गई। दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

की धारा 153 के तहत अपराध क्रमांक 325/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान घटना की स्थलिक जगह, पत्थरबाजी में शामिल व्यक्ति और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। ट्रेनों पर पत्थर फेंकने की घटनाएं इससे पहले भी सामने आती रही हैं। चलती ट्रेन पर पत्थर फेंकने से खिड़कियों के शीशे टूटने के साथ यात्रियों के घायल होने का खतरा रहता है। रेलवे सुरक्षा एजेंसियां ऐसे मामलों में संवेदनशील रेल सेवकों और आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ाने के साथ स्थानीय स्तर पर भी जानकारी जुटा रही हैं। रेलवे पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और घटना की सही जगह का पता लगाकर जिम्मेदार व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गणेश प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन, निगम ने चाक-चौबंद की व्यवस्थाएं

07 स्थायी घाट और 29 अस्थायी कुंडों पर 27616 प्रतिमाओं का विसर्जन

श्राद्ध पक्ष शुरू होने से पहले घाटों की सफाई पर भी जोर

भोपाल, यश भारत ।

अनंत चतुर्दशी पर राजधानी में भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर निगम द्वारा की गई व्यवस्थाओं के चलते श्रद्धालुओं ने सुगमता और सुरक्षित तरीके से प्रतिमाओं का विसर्जन किया। शहर के सात प्रमुख स्थायी विसर्जन घाटों और 29 अस्थायी विसर्जन कुंडों पर समाचार लिखे जाने तक करीब 26404 छोटी और 1212 बड़ी प्रतिमाओं सहित कुल 27616 प्रतिमाओं का विधि-विधान एवं ससम्मान विसर्जन कराया जा चुका था।

निगम ने विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के लिए क्रेन, नाव, गोताखोर और दमकल दल की तैनाती की थी। घाटों और पहुंच मार्गों पर सफाई,



प्रकाश तथा पेयजल की व्यवस्था के साथ नियंत्रण कक्ष भी बनाए गए।

श्राद्ध पक्ष को लेकर सफाई पर विशेष ध्यान

गणेश विसर्जन के साथ ही शनिवार से श्राद्ध पक्ष भी शुरू हो रहा है। ऐसे में निगम के सामने विसर्जन स्थलों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी भी है। निगम द्वारा घाटों पर जमा निर्माल्य और अन्य अपशिष्ट को अलग-अलग एकत्र कर निष्पादन की व्यवस्था की गई है, ताकि श्राद्ध पक्ष के दौरान घाटों और जलस्रोतों के आसपास स्वच्छता बनी रहे।

विशेष वाहनों की व्यवस्था की गई। आयुक्त ने घाटों का किया निरीक्षण निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने शुक्रवार को शाहपुरा, हथाईखेड़ा, खटलापुरा, रानी कमलापति और प्रेमपुरा विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही पूजा सामग्री के लिए सूखे और गोले निर्माल्य को अलग-अलग रखने तथा विसर्जन के बाद घाटों की तत्काल सफाई कराने पर जोर दिया। विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। प्रेमपुरा में करीब 5000 छोटी और 260 बड़ी, रानी कमलापति में 2000 छोटी और 40 बड़ी, खटलापुरा में 3335 छोटी और 56 बड़ी, शाहपुरा में 6300 छोटी और 405 बड़ी, बैरागढ़ में 2200 छोटी और 85 बड़ी, मालीखेड़ी में 2400 छोटी और 109 बड़ी तथा हथाईखेड़ा में 1300 छोटी और 257 बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया।



तहसील चौराहे पर नारेबाजी, मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूँका

आष्टा, यश भारत ।

मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीण और नगर कांग्रेस के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तहसील चौराहे पर प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूँका गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मतदाता सूची की पारदर्शी जांच कराने की मांग की।

कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर लगाए गए आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया सार्वजनिक एवं पारदर्शी होनी चाहिए। कांग्रेस ने फॉर्म-7 के कथित दुरुपयोग से मतदाताओं के नाम हटाए जाने का आरोप लगाते हुए पूरी मतदाता सूची सार्वजनिक करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान वोट चोर गद्दी छोड़ी और चुनाव आयोग होश में आओ के नारे लगाए गए। प्रदर्शन में एआईसीसी सदस्य हरपाल सिंह ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य कमल सिंह चौहान, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेश मुंदीखेड़ी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जाहिद खान गुड्डू, जितेंद्र शोभाखेड़ी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंदगी फैलाने वालों पर नगर निगम ने होटल पर हुई कार्रवाई, हुआ जुर्माना

भोपाल यश भारत ।

राजधानी को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। शहर के अलग-अलग वार्डों में सफाई व्यवस्था की निगरानी के साथ गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। निगम की टीमों लोगों और प्रतिष्ठानों को कचरा नालियों खुले स्थानों और सीवेज चेंबर में नहीं डालने की समझाइश भी दे रही हैं। इसके बावजूद कुछ प्रतिष्ठानों द्वारा स्वच्छता नियमों की अनदेखी किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला जोन 13 के वार्ड-52 का है जहां बैस्टियन होटल द्वारा किचन वेस्ट सीवेज चेंबर में डाले जाने की शिकायत पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग और सीवेज टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान सीवेज चेंबर में किचन वेस्ट डाले जाने की पुष्टि होने पर निगम की टीम ने होटल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 हजार का सॉफ्ट फाइन लगाया। नगर निगम की इस



कार्रवाई से साफ है कि स्वच्छता नियमों की अनदेखी करने वाले प्रतिष्ठानों पर अब सख्ती की जा रही है। निगम की ओर से लोगों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की गई है कि कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें और नालियों व सीवेज चेंबर में किसी भी तरह का कचरा न डालें। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने के साथ अन्य कार्रवाई भी की जा सकती है।

समझाइश के बाद अब सीधे कार्रवाई

नगर निगम की कार्रवाई के बाद यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि शहर को गंदगी से मुक्त रखने के अभियान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगम का कहना है कि नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्रीनहाउस मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने एनएचबी को सौंपा ज्ञापन

पॉलीहाउस सब्सिडी 50 से घटाकर 35% करने का विरोध, पुरानी परियोजनाओं पर पुराने नियम लागू करने की मांग

भोपाल, यश भारत ।

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा संरक्षित खेती के लिए दी जाने वाली सहायता में बदलाव और नए आवेदनों पर रोक के विरोध में ग्रीनहाउस मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को भोपाल स्थित राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन ने 21 अगस्त और 3 सितंबर 2026 को जारी किए गए परिपत्रों को वापस लेने तथा पहले से स्वीकृत और बैंक से वित्त पोषित परियोजनाओं को पुराने दिशा निर्देशों के अनुसार पूरा करने की मांग की है।

एसोसिएशन का कहना है कि 21 अगस्त 2026 के परिपत्र से संरक्षित खेती की सहायता 50 प्रतिशत से घटाकर 35 प्रतिशत कर दी गई। संगठन के अनुसार इसका प्रभाव उन परियोजनाओं पर भी पड़ा है, जिन्हें पहले ही स्वीकृत मिल चुकी थी और जिनके लिए बैंकों से वित्त की व्यवस्था की जा चुकी थी। एसोसिएशन ने कहा कि ऋण आधारित व्यवस्था में किसान परियोजना की पूरी लागत बैंक से ऋण लेकर वहन करता है और सहायता परियोजना पूरी होने के बाद मिलती है। ऐसे में स्वीकृति के बाद नियमों में बदलाव



का आर्थिक भार किसानों पर पड़ रहा है। जून से पॉलीहाउस परियोजनाओं के लिए क्लियरेंस जारी नहीं होने का दावा-ज्ञापन में एसोसिएशन ने दावा किया कि जून 2026 से पॉलीहाउस परियोजनाओं के लिए एक भी ग्रांट ऑफ क्लियरेंस जारी नहीं हुई है। 3 सितंबर के परिपत्र के बाद नए आवेदन स्थगित कर पोर्टल बंद कर दिया गया है। साथ ही कुछ फाइलों को सीओजी इशू से सीओजी क्वारी में किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई है। एसोसिएशन ने क्लियरेंस जारी करने की

प्रक्रिया दोबारा शुरू करने और जून से अब तक क्लियरेंस जारी नहीं होने का कारण लिखित रूप में बताने की मांग की है। 50% सहायता बहाल करने समेत सात मांगें-एसोसिएशन ने मांग की है कि 21 अगस्त 2026 या उससे पहले की ग्रांट ऑफ क्लियरेंस लंबित आवेदन और बैंक स्वीकृतियों को पुराने नियमों के अनुसार 50 प्रतिशत सहायता पर पूरा किया जाए। परिवार में किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई है। एसोसिएशन ने क्लियरेंस जारी करने की

समाप्त करने और किसान समूहों को फिर से पात्रता देने की मांग भी की गई है। इसके अलावा संरक्षित खेती के लिए 50 प्रतिशत सहायता बहाल करने अथवा वर्तमान बाजार दर के अनुसार लागत मानदंड संशोधित कर उन्हें हर साल सूचकांकित करने की मांग की गई है। पॉलीहाउस और संरक्षित खेती की सामग्री पर जीएसटी 18 से घटाकर 5 प्रतिशत करने का विषय केंद्र सरकार और जीएसटी परिषद के समक्ष रखने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

सात दिन में समाधान नहीं तो आंदोलन की चेतावनी-एसोसिएशन ने कहा है कि यदि ज्ञापन सौंपे जाने के सात दिन के भीतर 21 अगस्त का परिपत्र वापस नहीं लिया गया और मांगों पर समाधान नहीं हुआ तो दस राज्यों के पॉलीहाउस किसान और संरक्षित खेती उद्योग से जुड़े लोग गुरुग्राम स्थित राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड मुख्यालय और नई दिल्ली में एकत्र होकर आंदोलन करेंगे। संगठन ने ज्ञापन की प्रति राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के प्रबंध निदेशक तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजने और सात दिन में लिखित जवाब देने की मांग की है।

11वां आयुर्वेद दिवस : स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद का संकल्प लिया

हिरदाराम नगर, यशभारत

आरोग्य केंद्र 11वां आयुर्वेद दिवस हर्षल्लास के साथ मनाया गया, जो स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद थीम पर केन्द्रित था। कार्यक्रम में लोगों को जागरूक करना और दैनिक जीवन में आयुर्वेद की भूमिका को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी द्वारा भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा स्थापना, विधि-विधान से पूजन और आरती के साथ हुआ। इस मौके पर आमजन के लिए निःशुल्क आयुर्वेदिक पंजीकरण एवं परामर्श की सुविधा दी गई। साथ ही, एक दिवसीय विशेष शिविर में निःशुल्क स्वेदन चिकित्सा का आयोजन किया गया, जिससे लोगों को आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों का व्यावहारिक लाभ मिला। डॉ. टेवानी ने आयुर्वेद को भारतीय धरोहर बताते हुए कहा कि यह केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि संतुलित आहार और प्राकृतिक दिनचर्या के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण पर बल देता है। संस्था द्वारा योग और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से जन-स्वास्थ्य जागरूकता की गतिविधियां निरंतर आयोजित की जाती हैं।



विधि-विधान से शुरू हुआ निर्माण, विधायक ने 11 लाख रुपये देने की घोषणा की बुधवारा के प्राचीन श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण का शुभारंभ

आष्टा, यश भारत ।

बुधवारा क्षेत्र स्थित अति प्राचीन श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ अनंत चतुर्दशी के अवसर पर विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ किया गया। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर और महामंडलेश्वर दीपकदास महाराज ने पूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। मंदिर पुनर्निर्माण को लेकर श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में उत्साह देखा गया। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने मंदिर निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने पुराने आष्टा की पहाड़ी स्थित मंदिर तक पहुंच मार्ग के लिए दो करोड़ रुपये से अधिक की लागत से कराए गए निर्माण कार्य की जानकारी भी दी। महामंडलेश्वर दीपकदास महाराज ने



कहा कि प्राचीन मंदिरों का संरक्षण और पुनर्निर्माण धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम है। मंदिर

समिति अध्यक्ष गोविंद सोनी बहुरानी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए निर्माण में सहयोग की अपील की।

कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नमामि भारतम् में 150 वर्ष की यात्रा पर मंथन, विद्यार्थियों ने किया सामूहिक गायन

वंदे मातरम् की गूंज में दिखी संघर्ष और स्वाभिमान की कहानी

भोपाल यश भारत ।

वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा को केंद्र में रखकर शुक्रवार को सरस्वती विद्या मंदिर हर्षवर्धन नगर में नमामि भारतम् कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों शिक्षकों युवाओं और नागरिकों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। इस दौरान वक्ताओं ने इसके ऐतिहासिक महत्व और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े संदर्भों पर विचार रखे। मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राजकुमार मालवीय ने कहा कि वंदे मातरम् को केवल एक गीत के रूप में नहीं बल्कि मातृभूमि के प्रति श्रद्धा



स्वाभिमान और राष्ट्रचेतना से जुड़े भाव के रूप में समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसकी 150 वर्ष की यात्रा भारत के संघर्ष त्याग और राष्ट्रीय चेतना से जुड़े

अनेक प्रसंगों को समेटे हुए है। नई पीढ़ी को इसके शब्दों के साथ उनके ऐतिहासिक संदर्भ की जानकारी भी होनी चाहिए। डॉ. मालवीय ने वंदे मातरम् की रचना

से लेकर राष्ट्रीय आंदोलन में इसकी भूमिका तक की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में इसकी रचना की थी। 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में इसके गायन का उल्लेख मिलता है जबकि 1905 के बंग भंग आंदोलन के दौरान यह व्यापक राष्ट्रीय उद्घोष बना। विद्या भारती के तत्वावधान में हुए आयोजन में सुबह 11 बजे एक साथ सामूहिक गायन हुआ। वरिष्ठ नेता महेश जोशी ने भी विचार रखे। अध्यक्षता कर रहे डॉ. सुनील राय ने कहा कि राष्ट्रभाव को जीवन में उतारना जरूरी है।

बालरंग में सांदीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

आष्टा, यश भारत । सांदीपनि शासकीय उमावि आष्टा के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विधाओं में विद्यालय का नाम रोशन किया। रानू महेश्वरी ने शास्त्रीय नृत्य, परिधि धनगर ने योग, निरयति वर्मा ने संस्कृत भाषण और शिवम शर्मा ने वेदपाठ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। चारों विद्यार्थी अब भोपाल में होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में सीहोर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के लिए विद्यालय में संगीत, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। प्रतियोगिता में आयुष्मान वर्मा, किरण वर्मा, तस्मियां, सादिया अली, समर्थ जैन, विद्या राजपूत, विवेक सेन और मीता प्रजापति ने विभिन्न विधाओं में द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं निहारिका सैधव, सुमैया जहां और सुजीत घनशैर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों की सफलता पर विद्यालय परिवार ने उन्हें बधाई दी।

मालवा और सोमनाथ एक्सप्रेस अब भोपाल की बजाय निशातपुरा में रुकेंगी

भोपाल, यश भारत ।

रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण बदलाव के तहत 26 सितंबर 2026 से मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ एक्सप्रेस का ठहराव भोपाल स्टेशन की बजाय निशातपुरा स्टेशन पर होगा। परिचम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन ट्रेनों को संत हिरदाराम नगर-निशातपुरा कॉर्ड लाइन से चलाने का निर्णय लिया है। इसके चलते दोनों ट्रेनें भोपाल स्टेशन को बायपास करेंगी। गाड़ी संख्या 12919/12920 डॉ. अंबेडकर नगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा मालवा एक्सप्रेस प्रतिदिन निशातपुरा स्टेशन पर रुकेगी। 12919 मालवा एक्सप्रेस शाम 5.20 बजे निशातपुरा पहुंचेगी और 5.30 बजे रवाना होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 12920 सुबह 7.25 बजे निशातपुरा पहुंचेगी और 7.35 बजे प्रस्थान करेंगी।

सोमनाथ एक्सप्रेस भी निशातपुरा से चलेगी

गाड़ी संख्या 11465 जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन निशातपुरा स्टेशन पर सुबह 6.40 बजे पहुंचेगी और 6.45 बजे रवाना होगी। वहीं गाड़ी संख्या 11466 वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस रात 8.10 बजे निशातपुरा पहुंचेगी और 8.15 बजे प्रस्थान करेंगी।

बैंक कॉलोनी में हफ्तों से नहीं पहुंची कचरा गाड़ी

रहवासी हो रहे परेशान

भोपाल, यश भारत ।

शहर के जहांगीराबाद क्षेत्र स्थित बैंक कॉलोनी में कचरा संग्रहण व्यवस्था लंबे समय से प्रभावित होने के कारण रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलोनी में पिछले कई सप्ताह से नगर निगम की कचरा गाड़ी नहीं पहुंच रही है। नियमित रूप से कचरा नहीं उठने के कारण घरों से निकलने वाला कचरा कॉलोनी के आसपास जमा होने लगा है।

रहवासियों के अनुसार कचरा वाहन के नहीं आने से लोगों के सामने घरेलू कचरे के निपटारे की समस्या खड़ी हो गई है। मजबूरी में कई लोग कचरा कॉलोनी के सामने या आसपास के खाली स्थानों पर डाल रहे हैं। इससे धीरे-धीरे कचरे का ढेर बढ़ता जा रहा है। क्षेत्र में नियमित सफाई नहीं होने के कारण सड़क किनारे और अन्य स्थानों पर गंदगी दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कचरा



जमा होने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। खासकर सुबह और शाम के समय स्थिति अधिक परेशानी वाली हो जाती है। रहवासियों को आशंका है कि लंबे समय

तक कचरा जमा रहने से मच्छर और अन्य कीट पनप सकते हैं, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

रहवासियों ने बताया कि समस्या केवल कचरा वाहन के नहीं आने तक सीमित नहीं है। कचरा जमा होने के बावजूद सफाई के लिए नगर निगम का अमला भी नियमित

रूप से मौके पर नहीं पहुंच रहा है। इससे कॉलोनी में सफाई व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि कई बार स्थानीय स्तर पर समस्या की ओर ध्यान दिलाने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक बैंक कॉलोनी वार्ड क्रमांक 43 और जहांगीराबाद क्षेत्र के अंतर्गत आती है। उनका कहना है कि नगर निगम द्वारा शहर के अन्य क्षेत्रों में नियमित कचरा संग्रहण और सफाई की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन बैंक कॉलोनी में लंबे समय से वाहन नहीं आने के कारण रहवासी परेशान हैं।

रहवासियों ने नगर निगम अधिकारियों से मांग की है कि कॉलोनी में तत्काल सफाई अभियान चलाकर जमा कचरा हटाया जाए। साथ ही नियमित कचरा वाहन भेजने की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में कचरा जमा होने की स्थिति न बने। लोगों का कहना है कि समय पर कचरा उठाने और नियमित सफाई से क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर हो सकती है।



दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में 4 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की शुरुआत

यश भारत, भोपाल।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। विधायक भगवानदास सबनानी ने वार्ड 29 के नेहरू नगर में 45 लाख रुपए की लागत से तैयार संस्कार केंद्र का लोकार्पण किया। इसके अलावा वार्ड 26 स्थित वार्ड कार्यालय से भावना परिसर तक करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली सीसी रोड और बिजली के खंभों के कार्य का शुभारंभ किया गया। इसी वार्ड में 16.91 लाख रुपए की लागत से संजीवनी क्लीनिक की बाउंड्रीवॉल और पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य का भी भूमिपूजन हुआ। वार्ड 29 के उद्धवदास मेहता परिसर, नेहरू नगर में 16 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी रोड का भी भूमिपूजन किया गया। इस दौरान सबनानी ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के साथ सौंदर्यीकरण पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

भारतीय टीम को दिलाया दूसरा स्थान एशियन गेम्स में ऐश्वर्य ने जीता रजत

यश भारत, भोपाल।

एशियन गेम्स-2026 में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने भारतीय टीम के साथ रजत पदक हासिल किया। 50 मीटर राइफल श्री-पोजिशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य ने नीरज कुमार और रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर भारत का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय टीम ने 1762-94एक्स अंक अर्जित कर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की टीम 1766-95एक्स अंक के साथ पहले और दक्षिण कोरिया 1751-87एक्स अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग तीनों पोजिशन में निशाना साधा। ऐश्वर्य ने व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में भी प्रभावी प्रदर्शन करते हुए 589-34एक्स अंक हासिल किए और तीसरे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई। उनकी उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में यह प्रदर्शन प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। अब 26 सितंबर को मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की आशी चौकसे 50 मीटर राइफल श्री-पोजिशन टीम स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।



बच्चों के डिजिटल इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति की मांग स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध का सुझाव

यश भारत, भोपाल। बच्चों के डिजिटल मीडिया इस्तेमाल और ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज (सी-लैब) की रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल को लेकर स्पष्ट नियम बनाने और बच्चों की उम्र के अनुरूप ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच निर्धारित करने के सुझाव दिए गए हैं। प्रिवेशन बाय डिजाइन: फ्रॉम वॉलंटरी सेल्फ-रेगुलेशन टू अ स्टेट ड्यूटी ऑफ केयर नामक रिपोर्ट में 40 से अधिक देशों में बच्चों के डिजिटल मीडिया इस्तेमाल से जुड़े उग्र आधारित नियमों तथा 110 देशों में स्कूलों की स्मार्टफोन नीतियों का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 52 देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय कानून के माध्यम से प्रतिबंध लगाया है, जबकि 31 देशों ने राष्ट्रीय दिशा-निर्देश जारी किए हैं। रिपोर्ट में प्राथमिक और निचली माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्कूल समय में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक की सिफारिश की गई है। इसके अलावा 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया खाते पर रोक और 15 से 16 वर्ष के बच्चों के लिए अभिभावकीय सहमति की व्यवस्था का सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट में बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के आधार पर लक्षित विज्ञापन, लगातार सामग्री दिखाने वाले फीचर और बच्चों को लंबे समय तक मंच पर बनाए रखने वाली डिजाइन पर भी नियंत्रण की बात कही गई है। उग्र सत्यापन के दौरान निजी जानकारी की सुरक्षा, स्वतंत्र निगरानी संस्था और नीति निर्माण में बच्चों की भागीदारी को भी सुझावों में शामिल किया गया है।बच्चों के डिजिटल इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति की मांग

सभी शासकीय निजी महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम कराने के निर्देश

प्रदेश के कॉलेजों में चलेगा चरणबद्ध नशामुक्त भारत अभियान

भोपाल यश भारत।

प्रदेश के कॉलेजों में अब युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने शासकीय अनुदान प्राप्त अशासकीय और निजी महाविद्यालयों के साथ विश्वविद्यालयों में नशामुक्त भारत के तहत चरणबद्ध और निरंतर कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं। संस्थानों को अभियान की संक्षिप्त जानकारी विभाग को उपलब्ध कराने के लिए भी कहा गया है। यह पहल देवी अहिंसा विश्वविद्यालय, इंदौर के तत्कालीन कार्य परिषद सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी के सुझाव के बाद सामने आई है। डॉ. द्विवेदी ने 3 सितंबर 2026 को उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री को पत्र भेजकर कॉलेज परिसरों में नशे के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का सुझाव दिया था। उन्होंने



युवाओं के लिए सकारात्मक और स्वस्थ वातावरण तैयार करने पर जोर दिया था।

स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध का सुझाव

यश भारत, भोपाल।

बच्चों के डिजिटल मीडिया इस्तेमाल और ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज (सी-लैब) की रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल को लेकर स्पष्ट नियम बनाने और बच्चों की उम्र के अनुरूप ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच निर्धारित करने के सुझाव दिए गए हैं। प्रिवेशन बाय डिजाइन: फ्रॉम वॉलंटरी सेल्फ-रेगुलेशन टू अ स्टेट ड्यूटी ऑफ केयर नामक रिपोर्ट में 40 से अधिक देशों में बच्चों के डिजिटल मीडिया इस्तेमाल से जुड़े उग्र आधारित नियमों तथा 110 देशों में स्कूलों की स्मार्टफोन नीतियों का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 52 देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय कानून के माध्यम से

प्रतिबंध लगाया है, जबकि 31 देशों ने राष्ट्रीय दिशा-निर्देश जारी किए हैं। रिपोर्ट में प्राथमिक और निचली माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्कूल समय में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक की सिफारिश की गई है। इसके अलावा 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया खाते पर रोक और 15 से 16 वर्ष के बच्चों के लिए अभिभावकीय सहमति की व्यवस्था का सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट में बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के आधार पर लक्षित विज्ञापन, लगातार सामग्री दिखाने वाले फीचर और बच्चों को लंबे समय तक मंच पर बनाए रखने वाली डिजाइन पर भी नियंत्रण की बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के आधार पर लक्षित विज्ञापन, लगातार सामग्री दिखाने वाले फीचर और बच्चों को लंबे समय तक मंच पर बनाए रखने वाली डिजाइन पर भी नियंत्रण की

देशी पिस्टल और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

यश भारत, भोपाल। टीटी नगर थाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। आरोपी की पहचान सरफराज अनवर, उम्र 27 वर्ष, निवासी पीरोट क्षेत्र के रूप में हुई है। पुलिस को 25 सितंबर को सूचना मिली थी कि कटसी के खंडहर मकानों के पास एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना की तत्दीक के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर कमर के पीछे देशी पिस्टल और पैट की जेब से एक जिंदा कारतूस मिला। हथियार के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी के खिलाफ आर्मस् एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

केंद्रीय विद्यालय में पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता, 40 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा रंगों में सजा स्वच्छ भारत का संदेश, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

भोपाल यश भारत।

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय की ओर से देशव्यापी स्वच्छता ही सेवा अभियान और स्वच्छ भारत दिवस के तहत पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय 3 ईएमई सेंटर बैराह में पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के 40 विद्यार्थियों ने भाग लेकर स्वच्छता जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया। नन्हें कलाकारों ने अपनी कल्पनाशीलता का प्रदर्शन करते हुए जल संरक्षण प्लास्टिक मुक्त वातावरण और स्वच्छ भारत की अवधारणा पर आकर्षक चित्र बनाए। विद्यार्थियों ने रंगों और तूलिका के जरिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश प्रभावी ढंग से सामने रखा। कार्यक्रम का संचालन संग्रहालय के स्वच्छता अभियान प्रभारी दीपक कुमार चौधरी ने किया। उन्होंने



विद्यार्थियों को स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के समन्वयक एवं मुख्य कलाकार ललित बागुल ने बच्चों को चित्रकला की तकनीक और विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के

संबंध में मार्गदर्शन दिया। विद्यालय के प्राचार्य मनीष तुली ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी कलाकृतियों की सराहना की। कला शिक्षक शिवराम रघुवंशी ने आयोजन में सहयोग किया। संग्रहालय के जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहदुर सिंह परिहार ने कहा कि

कला के जरिए बच्चों तक स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रभावी तरीके से पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में कम उम्र से ही प्रकृति और स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

नाबालिग बालिका को पुलिस ने दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा

यश भारत, भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना पुलिस ने घर से लापता हुई 17 वर्षीय नाबालिग बालिका को कुछ ही घंटों में दस्तयाब कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस के अनुसार बालिका के लापता होने की सूचना मिलने के बाद तत्काल तलाश शुरू की गई थी। पुलिस के मुताबिक परिजन ने 23 सितंबर की शाम बालिका के घर पर नहीं मिलने की सूचना दी थी। शिकायत के आधार पर शाहजहांनाबाद थाने में अस्पराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम को बालिका की तलाश में लगाया गया और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। पुलिस टीम ने तलाश के दौरान बालिका को दस्तयाब कर लिया। इसके बाद आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे सुरक्षित परिजनों को सौंप दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान, उप निरीक्षक योगिता जैन, सहायक उप निरीक्षक खुमान सिंह और एफआरवी में तैनात कर्मचारियों की भूमिका रही।

गोंदलवाड़ा पंचायत की जांच के लिए दो सदस्यीय दल गठित

यश भारत,बनखेड़ी। ग्राम पंचायत गोंदलवाड़ा में निर्माण कार्यों एवं आय-व्यय को लेकर उठे सवालों के बाद प्रशासन ने जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी की निदेश पर दो सदस्यीय जांच दल गठित किया गया है। इसमें उपयंत्री एवं जनपद समन्वय अधिकारी को शामिल किया गया है। दल को 4 अक्टूबर तक सक्षम अधिकारी के समक्ष जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। जांच दल को वर्ष 2022 से 2026 तक पंचायत में विभिन्न योजनाओं के तहत कराए गए कार्यों की स्वीकृत एवं व्यय राशि की बिंदुवार जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक कार्य में स्वीकृत राशि, व्यय राशि और मौके पर किए गए निर्माण कार्य का परीक्षण किया जाएगा। साथ ही पंचायत के अभिलेखों और मौके की स्थिति का मिलान भी किया जाएगा।

लोकतंत्र, संस्थागत साख और आयोग में मतभेद का सवाल

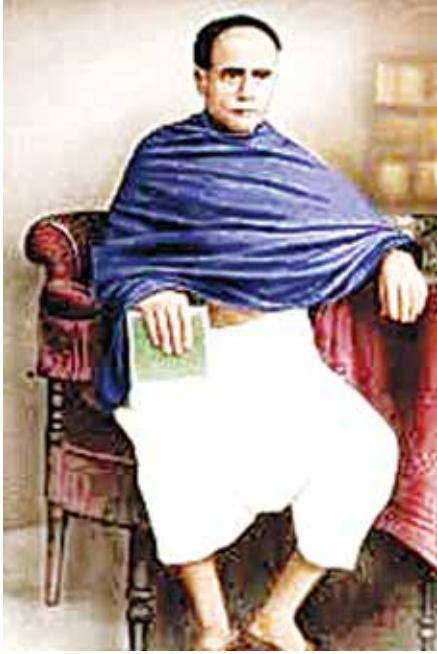
भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और उन पर जनता का अटूट विश्वास रहा है। हालांकि, हालिया घटनाक्रम और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फैसलों को लेकर उत्पन्न हुआ विवाद निर्वाचन आयोग जैसी पारदर्शी संस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आयोग के भीतर फैसलों को लेकर उभरे मतभेद अब केवल आंतरिक विषय न रहकर सर्वोच्च न्यायालय की चौखट तक पहुँच चुके हैं और सड़कों पर प्रदर्शन का कारण बन गए हैं। कांग्रेस से लेकर अन्य विपक्षी दल व काकरोच जनता पार्टी सभी मुख्य चुनाव आयुक्त के विरोध में जुट गए हैं। ?उधर सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में यह मुख्य चिंता जताई गई है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अन्य दो निर्वाचन आयुक्तों की पूर्ण सहमति या बहुमत के बिना कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जिनमें सॉफ्टवेयर में बदलाव और स्ट्रुक्र से जुड़े दिशा-निर्देश शामिल हैं। 2023 के अधिनियम की धारा 18 यह स्पष्ट रूप से रेखांकित करती है कि निर्वाचन आयोग में किसी भी मतभेद की स्थिति में निर्णय बहुमत के आधार पर ही मान्य होगा। यदि संस्था के भीतर बहुमत की उपेक्षा कर व्यक्तिगत या एकतरफा निर्णय थोपे जाते हैं, तो यह न केवल संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है, बल्कि आयोग की साख को भी गहरा धक्का पहुँचाता है। वैसे भी इन्हीं आशंकाओं के मद्देनजर तीन सदस्यीय चुनाव आयोग की परंपरा शुरू हुई थी। ताकि किसी एक की ममामर्जी को रोका जा सके। चिंताजनक बात यह है कि इस विवाद में केवल विपक्षी दल ही नहीं, बल्कि सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ह्छ) के सहयोगी दल-जैसे लोजपा (रामविलास), टीडीपी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा-भी आयोग से स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का यह कथन कि ‘चुनावों में जनता का भरोसा दांव पर है’ स्थिति की गंभीरता को बयां करता है। लोकतंत्र में जब तक चुनावी प्रक्रिया और उसका संचालन करने वाली संस्था पर जनता का विश्वास निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक जनताई की पवित्रता पर सवाल उठते रहेंगे। ऐसे में भाजपा के लिए समस्या खड़ी हो गई है। अब तक उसे सिर्फ विपक्ष से लड़ना पड़ रहा था अब उसके कुछ साथी भी चुनाव आयोग के खिलाफ खड़े हैं, वहीं भाजपा ने चुनाव आयोग के पक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुद को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने तो सीईसी ज्ञानेश कुमार के लिए पद्मभूषण देने की मांग कर भाजपा के लिए एक और समसैखड़ी कर दी है । हालांकि आयोग द्वारा मतदाता सूची में करोड़ों नए युवाओं के जुड़ने के आंकड़े पेश करना निश्चित रूप से एक सकारात्मक पहलू है, लेकिन यह संस्थागत पारदर्शिता का विकल्प नहीं हो सकता। आयोग को अपने फैसलों, दौरों को टालने के कारणों और आंतरिक असहमतियों पर खुलकर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। चुनावी प्रणाली में किसी भी प्रकार के संशय को मिटाने के लिए यह आवश्यक है कि न्यायपालिका इस पूरे मामले में संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप शीघ्र और स्पष्ट दिशानिर्देश तय करे। निर्वाचन आयोग को भी यह समझना होगा कि निष्पक्षता केवल होनी ही नहीं चाहिए, बल्कि दिखनी भी चाहिए, जैसा कि न्यायालय ने पहले ही कहा है। यहां उल्लेखनीय है कि यह पूरा मामला इंडियन एक्सप्रेस की एक खबर के बाद आम जनता के सामने आया है, लंबे अर्से बाद अखबार की खबर ने एक बार फिर अपना रंग दिखाया है। लोग इस प्रकार की पत्रकारिता के काफी दीवाने रहे हैं।



मेघ	तृष
उत्साहित आनंद भरा दिन रहेगा परिवार का पूरा सहयोग मिलता दिख रहा है कोर्ट कचहरी धाने से दूर रहे	कल और संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा घर में मांगलिक कार्य आयोजित हो सकते हैं
मिथुन	कर्क
कारोबार में तरक्की की योग बनते दिख रहे हैं खर्चों की अधिकता बनी रहेगी	अस्त व्यस्त दिनचर्या को सुधारने की जरूरत है योग प्राणायाम करके स्वास्थ्य लाभ में सुधार होगा
सिंह	कन्या
जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी	प्रोफेशनल लाइफ में छोटी-मोटी दिक्कतें हो सकती हैं अपने बुद्धि विवेक से समस्याओं का हल निकालें
तुला	वृश्चिक
सुख सुविधाओं के संसाधन की खरीदारी कर सकते हैं उत्साह पूर्वक दिन व्यतीत करेंगे व्यतीत करेंगे	आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी नौकरी में तरक्की मिलने की योग बनते दिख रहे हैं
धनु	मकर
रिश्तो में चल रही दिक्कतों को समझदारी से सुलझाने की कोशिश करें कोथ से बचना होगा	वाणी पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करें बिना सोचे विचारें किसी भी निर्णय में न पहुँचे
कुंभ	मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है	सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी घर वालों का पूरा सहयोग रहेगा

‘अपना काम स्वयं करें’ सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वरचंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे, जिन्होंने सदैव लोगों को अपने क्रियाकलापों के माध्यम से स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। भारतीय इतिहास में उन्हें एक महान शिक्षक, फिलॉसोफर और समाज सुधारक जैसे कई रूपों में याद किया जाता है। अपने सादा जीवन, निडर स्वभाव, आत्म-बलिदान की भावना, शिक्षा के प्रति समर्पण और दलितों के हित के लिए किए गए कार्यों के कारण ईश्वरचंद्र विद्यासागर पूरी दुनिया के लिए एक महान व्यक्ति बन गए थे। संस्कृत कॉलेज में उन्होंने आधुनिक पश्चिमी विचारों के अध्ययन की शुरुआत की और तथाकथित निचली जातियों के छात्रों को संस्कृत का अध्ययन करने के लिए प्रवेश दिया। संस्कृत भाषा और दर्शन में अगाध ज्ञान होने के कारण उनकी महान विद्वता के लिए कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज, जिसके बाद में वे कुछ वर्षों तक प्रिंसिपल भी रहे, ने ही उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही ‘विद्यासागर’ की उपाधि से सम्मानित किया था। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जीवन पर्यन्त प्रयास किया। बांग्ला भाषा के गद्य को सरल और आधुनिक बनाने का उनका कार्य भी सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल और तर्कसम्मत बनाया तथा बांग्ला पढ़ने के लिए सैंकड़ें विद्यालय स्थापित किए और रात्रि पाठशालाओं की भी व्यवस्था की।

नारी शिक्षा के लिए तो ईश्वरचंद्र ने व्यापक जनान्दोलन खेा किया ही था, उन्हीं के निरंतर प्रयासों और दृ?संकल्प की बदौलत ही वर्ष 1856 में ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज सरकार विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुई थी, जिसके बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की



शुरुआत कर सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हुआ था। दरअसल उस समय हिंदू समाज में विधवाओं की स्थिति काफी चिंताजनक थी। 1820 में जिस समय वह बंगाल में पैदा हुए थे, उन दिनों समाज में अनेक कुरीतियां ज? जमाई हुई थी, जिनमें एक थी विधवा होने वाली महिलाएं या सती होने के लिए बाध्य की जाती थी या फिर उनका वैधव्य जीवन बेहद उपेक्षित और दयनीय स्थिति में बीतता था। ईश्वर चंद्र ही वह शक्ति्स्यत थे, जिन्होंने तमाम विरोधों के बाद भी न केवल बंगाल में विधवाओं का विवाह कराया बल्कि

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लीक में मंत्री के इस्तीफे की सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की मांग की जा रही है। एप्ससी/एप्सटी एक्ट के अताकिंक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भी?तंत्र के हवाले तब तक आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शूतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं। ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर जय शेट्टी अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झुट सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झुट भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यह भी है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठा और पैसा दोनों ही हासिल होते है। भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिए अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे



का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साधियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन भीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि परमाणु शक्ति का वैश्विक संतुलन अभी भी मुख्य रूप से रूस और अमेरिका के इर्द-गिर्द केंद्रित है। हालांकि चीन की दिशा भी महत्वपूर्ण हो गई है। एसआईपीआरआई के अनुसार चीन अपने

परमाणु जखीरे का विस्तार किसी भी अन्य परमाणु शक्ति की तुलना में तेज गति से कर रहा है। उसके पास जनवरी 2026 तक करीब 620 परमाणु हथियार होने का अनुमान है और वह बड़ी संख्या में मिसाइल प्रणालियों को विकसित और तैनात कर रहा है। चीन के परमाणु आधुनिकीकरण का असर एशिया के सामरिक संतुलन पर भी पड़ता है। भारत की स्थिति को केवल परमाणु हथियारों की संख्या से नहीं देखा जा सकता। किसी देश की सैन्य शक्ति में परमाणु क्षमता के साथ मिसाइल प्रणाली, समुद्री शक्ति, वायुसेना, थलसेना, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, साइबर क्षमता, रक्षा उद्योग और आधुनिक तकनीकी की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इस दृष्टि से भारत दुनिया की प्रमुख सैन्य शक्तियों में शामिल है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 92.1 अरब डॉलर हो गया और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा। अमेरिका 954 अरब डॉलर के साथ पहले, चीन 336 अरब डॉलर के साथ दूसरे और रूस 190 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर था। भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। यही कारण है कि भारत के लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु

सुरक्षा, समुद्री निगरानी, लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां, ड्रोन, अंतरिक्ष तकनीक, साइबर सुरक्षा और स्वदेशी रक्षा उत्पादन आज राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण आधार हैं। दुनिया के बड़े देशों में सैन्य खर्च बढ़ने का एक कारण भी यही बदलता हुआ सुरक्षा वातावरण है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 2.9 लाख करोड़ डॉलर के बराबर पहुंच गया और लगातार 11वें वर्ष इसमें वृद्धि हुई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत दुनिया के पांच सबसे बड़े सैन्य खर्च करने वाले देश रहे। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह सुरक्षा जरूरतों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करे। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन बढ़ने से न केवल सुरक्षा मजबूत होती है बल्कि विदेशी निर्भरता भी कम होती है। आधुनिक तकनीक और अनुसंधान में निवेश आने वाले समय में परंपरिक हथियारों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मजबूत प्रतिरोधक क्षमता ही सुरक्षा की आधारशिला परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाना अपने आप में किसी देश को अधिक सुरक्षित बनाने का एकमात्र रास्ता नहीं है। परमाणु शक्ति का वास्तविक महत्व विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता, सुरक्षित कमान और नियंत्रण तथा ऐसी क्षमता में है जिससे किसी भी संभावित हमले की स्थिति में प्रभावी जवाब दिया जा सके। भारत लंबे समय से विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति की बात करता रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत अपनी परमाणु नीति में विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता और प्रथम प्रयोग न करने की नीति के प्रति प्रतिबद्ध है। वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में भारत को अपनी सुरक्षा

किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा ल?कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने कोलकाता में वर्ष 1872 में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था।

बंगाल समाज के लिए किए गए इसी प्रकार के अनेक कार्यों की वजह से ही उन्हें बंगाल पुनर्जागरण का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। समाज सुधार तथा समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें गरीबों और दलितों का संरक्षक तथा महान् समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा। भारतीय समाज में आज भी ईश्वरचंद्र विद्यासागर को स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद्, दार्शनिक इत्यादि अनेक रूपों में स्मरण किया जाता है। 29 जुलाई 1891 को यह महान् शक्ति्स्यत हमेशा के लिए अटल शून्य में विलीन हो गई। हमेशा समाज की भलाई के लिए सोचने और समाज के लिए कुछ अलग करते रहने के कारण ही उन्हें एक महान् समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता रहा है। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और महान शिक्षाविद विद्यासागर का मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषाओं के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

(लेखिका- श्वेता गोयल)

दिलाले रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्या कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुँच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरूप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी हैं। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीपापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिग्भ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेगी। शिक्षाशास्त्रिज्यों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

(लेखक- डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव)

‘बैतूल में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता

रानीपुर-गौठाना रोड पर मोबाइल-पर्स लूटने वाला फरार लुटेरा दबोचा, भीलवाटेक की वारदात का खुलासा - वीवो मोबाइल और नगदी बरामद ‘



यश भारत, बैतूल। कोतवाली थाना पुलिस ने लूट की सनसनीखेज वारदात में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटा गया मोबाइल और नगदी बरामद की है।

रात 9 बजे भीलवाटेक में दिया था वारदात को अंजाम 14 सितंबर 2026 को फरियादी पूनचंद पिता करोड़ी लाल मांझी, उम्र 37 वर्ष, निवासी अमरावत कला, तहसील वाड़ी, थाना वाड़ी, जिला रायसेन, हाल निवासी गौठाना, बैतूल ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 सितंबर की रात्रि करीब 09:00 बजे वह रानीपुर से गौठाना बैतूल अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक स्कू38 स्कू 4538 से आ रहा था। चिखलार गांव से आगे भीलवाटेक के पास पीछे से मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्तियों ने उसकी मोटरसाइकिल रोककर

उसका मोबाइल एवं पर्स, जिसमें 6,000 रुपये नगद रखे थे, लूट लिए थे।फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 126(2), 115(2), 309(4), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

खंजनपुर में घूमता मिला फरार लुटेरा

24 सितंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि फरार आरोपी शिव उर्फ शिवा बानखेड़ पिता राम बानखेड़े, उम्र 25 वर्ष, निवासी दुर्गा वाई, कॉलोनी, बैतूल खंजनपुर क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने घटना में अपनी सलिस्ता स्वीकार की।आरोपी के कब्जे से फरियादी से लूटा गया नीले रंग का वीवो कंपनी का मोबाइल एवं लूट की नगदी में से 700 रुपये बरामद कर विधिवत जब्त किए गए। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

जप्त सामग्री

1. नीले रंग का वीवो कंपनी का मोबाइल, कीमत लगभग 10,000 रुपये।2. नगद 700 रुपये।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया, सज्जन राजेश मालवीय, प्रधान आरक्षक 143 दिनेश निमोदा, प्रधान आरक्षक 88 योगेश परते, आरक्षक 302 अमरदास मढ़ानी, आरक्षक 528 महेश नागदे एवं आरक्षक 607 सूर्यकांत बड़खाने की सराहनीय भूमिका रही।

‘यश भारत, बैतूल/बोरदेही। बोरदेही त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने तथा जिले में अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बैतूल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरन्द्र जैन के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत थाना बोरदेही पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा

पुलिस के मुताबिक 24 सितंबर 2026 की दरम्यानी रात थाना बोरदेही पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बांगा निवासी झाड़ू पिता रंगलाल यदुवंशी, उम्र 49 वर्ष, अपने

बैतूल में त्योहारों से पहले पुलिस का बड़ा एक्शन

देशी पिस्टल और 2 जिंदा कारतूस के साथ हथियारबाज गिरफ्तार - बांगा से मोरखा जा रहा था आरोपी झाड़ू यदुवंशी, बोरदेही पुलिस ने धर दबोचा



पास देशी पिस्टल रखकर ग्राम बांगा से मोरखा की ओर जा रहा है।

सूचना की तस्दीक एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस टीम द्वारा मोरखा रोड ग्राम बांगा क्षेत्र में पहुंचकर उक्त संदिही को रोका गया। विधिवत तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल एवं 02 जिंदा कारतूस बरामद हुए।

आर्म्स एक्ट में कैसे दर्ज

आरोपी के विरुद्ध धारा 25-27 आयुध अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार एवं कारतूस विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जप्त सामग्री की अनुमानित कीमत 17,000 रुपये बताई गई है।

सेवा संकल्प से विकास का संगमः

यश भारत, बैतूल। बैतूल सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी के लिए निकली जल जन सेवा संकल्प यात्रा की दो यात्राएं बैतूल जिले से होकर गुजरीं। जिले में जनजातीय संस्कृति, विकास और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला, जिससे सेवा यात्री

अभिभूत हो गए।

दो रूट से गुजरी यात्रा, जगह-जगह भव्य स्वागत

रूट क्रमांक-1 की यात्रा चिरापाटला से चिचोली, बैतूल, पाढर, कान्हावाड़ी, घोड़ाडोंगरी और सारणी होते हुए अगले जिले के लिए रवाना हुई। वहीं रूट क्रमांक-6 की यात्रा देसली, नांदा, महूपानी, खेड़ी सांवलगीढ़, बडोरा और मुलताई होते हुए आगे बढ़ी।बैतूल पहुंचने पर दोनों रूटों पर ग्रामीणों ने आत्मीयता और उत्साह के साथ सेवा यात्रियों का भव्य स्वागत किया। जनजातीय कोरकू नृत्य एवं गडली सुसन सहित पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने यात्रियों का मन मोह लिया। यात्रा के दौरान सेवा यात्रियों ने विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण, स्वच्छता अभियान और लाभार्थी संवाद जैसी सेवा गतिविधियों में सहभागिता की। यात्रियों ने बैतूल की अनूठी जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक नृत्य, स्थानीय खान-पान और आत्मीय स्वागत को करीब से जाना। साथ ही जिले में विकसित सड़क नेटवर्क, उद्योग, शिक्षा एवं स्वास्थ्य अधोसंरचना, बिजली और पेयजल जैसी सुविधाओं तथा विभिन्न विकास कार्यों का भी अवलोकन किया। शुक्रवार को जिले के निजी मैरिज लॉन एवं खेड़ी सांवलगीढ़ में



प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन तथा सेवा यात्रियों से संवाद का सजीव प्रसारण किया गया। बैतूल में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री दुर्गादास उर्डेके, जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य श्री सुधाकर पवार सहित अन्य अतिथियों ने सेवा यात्रियों का स्वागत किया। इस अवसर पर यात्रियों को कुकुरु कॉफी, महुआ से बने कुकीज और नांदा हनी भेंट किए गए। केंद्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उर्डेके भी सेवा यात्रा में राइडर्स के साथ शामिल हुए। सांदिपनि विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था देख हुए प्रभावित सेवा यात्रियों ने घोड़ाडोंगरी स्थित सांदिपनि विद्यालय में युवा संवाद में सहभागिता की। इससे पूर्व उन्होंने विद्यालय का भ्रमण कर अत्याधुनिक बायोलॉजी, केंमिस्ट्री एवं फिजिक्स प्रयोगशालाओं तथा लाइब्रेरी का अवलोकन किया। यात्रियों ने कहा कि सांदिपनि

विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं निजी विद्यालयों से बेहतर हैं। इससे पूर्व सेवा यात्रियों ने कान्हावाड़ी एवं पाढर में प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया। यात्रियों ने कान्हावाड़ी के प्रसिद्ध श्री बाबूलाल भगत से भी संवाद किया। इस अवसर पर विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती गंगा बाई उर्डेके, अनुसूचित जनजाति आस्था के केंद्र बाबा मठारदेव मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। सारणी में आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने यात्रा की अगवानी की।

रूट-6 के बडोरा पहुंचने पर चौक पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। गौमाता का पूजन कर वैष्णवी

जप्त सामग्री -

- 01 देशी पिस्टल
- 02 जिंदा कारतूस

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे एवं एसडीओपी मुलताई एस.के. सिंह के मार्गदर्शन में निरीक्षक भैयालाल उर्डेके, थाना प्रभारी बोरदेही, उप निरीक्षक पंचमसिंह उर्डेके, प्रधान आरक्षक 395 नागेंद्र सिंह, आरक्षक 414 नीरज शेड़े, आरक्षक 609 भगवानदास जावरे, आरक्षक शशिकांत आरसे एवं आरक्षक चालक किशोर साहू, थाना बोरदेही की सराहनीय भूमिका रही।

भंडारे से लौटी 15 साल की मासूम से दुष्कर्म, मुलताई पुलिस ने 24 घंटे में आरोपी को दबोचा

यश भारत, बैतूल/मुलताई। मुलताई पुलिस ने मानवता को शर्मसार करने वाले नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में त्वरित और बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को महज 24 घंटे के भीतर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

भंडारे से घर लौटने के बाद लापता हुई थी बालिका

पुलिस ने बताया कि 24 सितंबर को पीड़िता की परिजन द्वारा थाना मुलताई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी 23 सितंबर की रात्रि गणेश पंडाल के भंडारे से परिवार के साथ घर वापस आई थी। रात्रि में बालिका के घर पर मौजूद नहीं होने पर परिजनों ने उसकी तलाश की। तलाश के दौरान गांव के एक युवक द्वारा बालिका को घर छोड़कर जाने की जानकारी सामने आई। पुलिस द्वारा तत्काल बालिका की तलाश कर उसे दस्तयाब किया गया तथा उसके कथन लिए गए।



कथनों के आधार पर सनसनीखेज खुलासा हुआ कि युवक उसे अपने साथ अपने गांव ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल आरोपी सागर पिता राजेश उर्फ दनाजी बचले, उम्र 18 वर्ष, निवासी चौथिया के विरुद्ध धारा 64(1), 65(2), 115(2), 351(3) बीएनएस एवं धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत

प्रकरण दर्ज किया। पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र एवं उपलब्ध तकनीकी संसाधनों की सहायता से आरोपी की तलाश कर घेराबंदी की गई और आरोपी सागर बचले को उसके गांव चौथिया से ह्तिस्त में लिया गया। घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल को भी विधिवत जब्त किया गया है। आरोपी को 25 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

इंदौर

स्टाइल मर्डर मिस्ट्री सस्पेंस

दफन शव की खुदाई में सामने आया सच, उड़ गए सबके होश

इन्दौर, यशभारत। अजय देवगन की मशहूर थ्रिलर फिल्म दृश्यम जैसा ही रोंगटे खड़े कर देने वाला हाई-वोल्टेज ड्रामा इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र में उस वक्त लाइव देखने को मिला, जब एयरपोर्ट की वीआईआईपी पार्किंग के पास अचानक भारी पुलिस बल, सायरन की गूंज और सैकड़ों लोगों की सांसों एक अनजाने खौफ से थम गई। घटना कल दोपहर बाद शाम करीब 4 बजे की है जब अचानक पुलिस डायल-112 के पास एक ऐसी सनसनीखेज सूचना आती है जिससे महकमे में हड़कंप मच जाता है। सूचना थी कि एयरपोर्ट परिसर से बेहद नजदीक, जमीन में किसी शव को दफन किया गया है वहां पर अभी भी ताजा खुदाई के निशान हैं।

मामला एयरपोर्ट की सुरक्षा से जुड़ा था, इसलिए बिना वक्त गंवाए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की फौज भारी लाव-लश्कर के साथ मौके पर पहुंच गई। देखते ही देखते पूरा इलाका छावनी में बदल गया और सैकड़ों की भीड़ जमा हो गई। जैसे ही पुलिस ने सावधानीपूर्वक फावड़े से मिट्टी हटाना शुरू किया, सस्पेंस और गहराने लगा। धड़कनें तेज थीं, हर कोई आंखें फाड़े देख रहा था कि अब जमीन के सीने से क्या खोफनाक मंजर बाहर आने वाला है। तभी... मिट्टी हटते ही वो चमकता हुआ लाल कपड़ा नजर आया! तनाव अपने



चरम पर था। पुलिस ने बेहद सावधानी से उस लाल कपड़े में लिपटे शव को जैसे ही बाहर निकाला... पूरा मामला 180 डिग्री पलट गया! वहां मौजूद हर शख्स की आंखें फटी की फटी रह गईं। गड्डे के अंदर किसी इंसान की लाश नहीं, बल्कि एक वफादार पालतू कुत्ते (धान) का शव थाइसके बाद पुलिस जांच में जो कहानी सामने आई, उसने वहां मौजूद हर दिल को छू लिया। दरअसल, किसी भावुक पशु प्रेमी ने अपने चहेते पालतू डॉगी की मौत के बाद उसे लावारिस फेंकने के बजाय, पूरे आदर और विधि-विधान

के साथ अंतिम विदाई दी थी। कुत्ते को सम्मान से दफनाने के लिए ही उसने लाल कपड़े और नमक की बोरियों का इस्तेमाल किया था। जो पुलिसकर्मी और चरमदीर कुछ देर पहले तक एक बड़ी मर्डर मिस्ट्री की आशंका से कांप रहे थे, वे राहत की सांस लेकर हंस पड़े। घंटों से बना तनाव का माहौल पल भर में हसी और इस अनोखे पशु-प्रेम की चर्चा में बदल गया। पुलिस के अनुसार फिलहाल पूछताछ और तकनीकी सहायता के आधार पर उस अज्ञात पशुप्रेमी की तलाश की जा रही है।



उषा ठाकुर के विवादित बयान पर रीना बौरासी सेतिया ने उठया सवाल

विषयक कहाँ से लाई आंकेडे , स्त्रीय बतारें? इन्दौर, यशभारत। माता के गरबे में विधिमियों के प्रवेश को लेकर महू विधायक उषा ठाकुर के विवादित बयान को लेकर महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी ने उषा ठाकुर से पूछा है कि वे ये आंकेडे कहाँ से लाई है, इसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उषा ठाकुर ने अपने बयान में कहा था कि हर साल गरबे में साढ़े 4 लाख हिन्दू लड़कियां विधिमियों के साथ चली जाती हैं और फिर अगले साल 9 लाख बच्चों को जन्म देती हैं। कुछ लोग तिलक और कलावा बांधकर गरबा पंडालों में प्रवेश कर हिन्दू बेटियों के साथ छलावा करते हैं। ऐसे लोगों की पहचान की व्यवस्था गरबा आयोजकों को करना चाहिए। उषा ठाकुर के इस बयान के सार्वजनिक होने के बाद महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्षा रीना बौरासी सेतिया ने सवाल उठाते उषा ठाकुर के उस दावे का आधार और स्रोत बताने को कहा, जिसमें हर साल करीब 4.5 लाख हिंदू लड़कियों के गरबे के बाद विधिमियों के साथ चले जाते और अगले साल करीब 9 लाख बच्चों के जन्म लेने की बात कही गई थी।

युवक ने लगाई फांसी मौत प्रेम प्रसंग की आशंका

इन्दौर, यशभारत। एक सनसनीखेज मामले में एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। आशंका प्रेम प्रसंग की जताई जा रही है क्योंकि कुछ दिनों पहले मृतक युवक की एक युवती के पिता ने इसी को लेकर पिटाई कर दी थी। मामला लसूडिया थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार शुभम पटेल उम्र तीस साल निवासी सिंगपुर टाउनशिप स्थित श्रीनाथ ग्रीन व्यू ने देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अगारबत्ती कारखाने में काम करता था।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस के अनुसार शुभम कल रात करीब 12:30 बजे घर लौटा और अपने कमरे में चला गया? था। कुछ देर बाद कमरे से आवाज आने पर परिजनों ने रोशनदान से देखा तो शुभम फंदे पर झूल रहा था। परिजन उसे तुरंत उतारकर नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां से एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया। एमवाय अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूछताछ में पुलिस को



परिजनों ने बताया कि शुभम का इलाके की ही एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। करीब 5 महीने पहले युवती के पिता ने शुभम के साथ मारपीट की थी। जिसकी प्रार्थमिकी भी शुभम ने दर्ज कराई थी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवा प्रेम



सुनीलसागरजी महाराज सा. के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

इन्दौर, यशभारत।

आज अनंत चतुर्दशी एवं दशलक्ष्ण महापर्व के अंतिम दिवस पर केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जिनालय में श्रीजी के दर्शन कर प.पू. आचार्य श्री आदिसागरजी अंकलीकर की परंपरा के चतुर्थ पड़ावयं परम पूज्य 108 श्री सुनीलसागरजी महाराज सा. के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

दुनिया से भागना नहीं, हर निमित्त से अपनी शक्ति बढ़ाना ही ब्रह्मचर्य की कला

मुनिश्री सुधासागर जी महाराज समझाया मिथुन चक्र और ब्रह्मचर्य का रहस्य

इन्दौर, यशभारत। श्रावक संस्कार शिविर एवं पर्युषण महापर्व के अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिपुंख 108 श्री सुधासागर जी महाराज ने मिथुन चक्र, ब्रह्मचर्य, निमित्त और आत्मिक शक्ति की गहन आध्यात्मिक व्याख्या की।

मिथुन चक्र क्या है

मुनिश्री ने कहा कि संसार की अनेक क्रियाएँ और उपलब्धियाँ दो तत्त्वों के परस्पर संयोग



से प्रकट होती हैं। इसी को मिथुन चक्र कहा जाता है।उन्होंने कहा भूख के बिना भोजन की कीमत नहीं, प्यास के बिना पानी की कीमत नहीं और गुरु के बिना शिष्य का अस्तित्व पूर्ण नहीं। भगवान और भक्त, गुरु और शिष्य तथा अनेक संबंधों में परस्पर पूरकता दिखाई देती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि रोटी न आत्मा अकेली खाती है और न शरीर अकेला। आत्मा और शरीर के

संयोग से भोजन करने की क्रिया होती है। इसी प्रकार चलना, सोना, देखना, सुनना और संसार की अनेक क्रियाएँ विभिन्न तत्त्वों के संयोग से संचालित होती हैं।मुनिश्री ने कहा कि गुणस्थान, कषाय, योग और परिणामों को समझने में भी तत्त्वों के पारस्परिक संबंध को समझना आवश्यक है। ज्ञान के क्षेत्र में प्रमाण और नय दोनों का समन्वय महत्वपूर्ण है। केवल एक पक्ष से वस्तु की पूर्णता समझ में नहीं आती। उन्होंने कहा -वस्तु स्वतंत्र है, लेकिन वस्तु का कार्य स्वतंत्र नहीं है; उसका कार्य अनेक तत्त्वों के परस्पर संबंध से प्रकट होता है। मुनिश्री ने ब्रह्मचर्य की व्याख्या करते हुए कहा कि ब्रह्मचर्य का अर्थ दुनिया से भागना नहीं है। संसार से भागकर व्यक्ति

कमजोर और अकेला पड़ सकता है। धर्म का उद्देश्य संसार से पलायन करना नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए अपनी शक्ति को बढ़ाना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि -निमित्त से भागो मत, निमित्त को ठुकराओ मत। निमित्त से कार्य करना सीखो।- जीवन में भगवान, गुरु, परिवार, समाज, मित्र, पड़ोसी या कोई विपरीत परिस्थिति जो भी निमित्त सामने आए, सम्यक दृष्टि वाला व्यक्ति यह सोचता है कि इस निमित्त से मैं अपनी कौन-सी शक्ति जागृत कर सकता हूँ।मुनिश्री ने कहा कि जहाँ-जहाँ दो वस्तुओं का संयोग होता है, वहाँ नई शक्ति और नई ऊर्जा का निर्माण होना चाहिए। यही दृष्टि साधक को हर परिस्थिति से कुछ सीखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

दो मिनट में भारत को दो पदक, इन 5 शूटरों ने किया कमाल



नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स-2026 में शुक्रवार को भारत ने महज दो मिनट में दो पदक जीते। पहले 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और नीरज कुमार ने रजत पदक जीता। इसके तुरंत बाद सुरुचि सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शूटिंग में भारत के अब तक 10 पदक हो चुके हैं।

कमलजीत

हरियाणा के रेवाड़ी के रहने वाले कमलजीत ने चोट के कारण एथलेटिक्स छोड़ने के बाद 2019 में शूटिंग शुरू की। आर्थिक परेशानियों के बावजूद उन्होंने अपना सफर जारी रखा। 2023 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीतकर पहचान बनाई।



सुरुचि सिंह

हरियाणा के झज्जर की सुरुचि ने 13 साल की उम्र में शूटिंग शुरू की। 2025 में उन्होंने तीन आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार व्यक्तिगत स्वर्ण जीते। 2026 में भी उन्होंने विश्व कप स्वर्ण और एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

नीरज कुमार

50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के विशेषज्ञ नीरज ने 2022 विश्व चैंपियनशिप में टीम कांस्य जीता। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया और टीम स्वर्ण में भी योगदान दिया।

रुद्राक्ष पाटिल

महाराष्ट्र के रुद्राक्ष 10 मीटर एयर राइफल के विशेषज्ञ हैं। 2022 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर वह अभिनव बिंद्रा के बाद इस स्पर्धा में व्यक्तिगत विश्व खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने। इसी प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व नंबर-1 रैंकिंग भी मिली।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के ऐश्वर्य ने अपने चचेरे भाई और ओलंपियन नवदीप सिंह राठौर को देखकर शूटिंग शुरू की। 2019 में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण के साथ जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

एशियन गेम्स- भारतीय विमेंस हॉकी टीम सेमीफाइनल में जापान को 3-1 से हराया, टीम की लगातार चौथी जीत

नागोया, एजेंसी। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। नागोया के गिफू प्रिफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए पूल-बी के मुकाबले में भारत ने लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम 12 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। लालरेमसियामी ह्माजोंटे, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने भारत के लिए गोल किए, जबकि जापान की ओर से शिहो कोबायाकावा ने एक गोल किया।

लालरेमसियामी ने दिलाई बढ़त- भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले क्वार्टर में बराबरी की कोशिश की। उसे पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता पुनिया ने माहो उड़ाने के प्रयास को रोक दिया।



इशिका के गोल से भारत 2-0 आगे, नवनीत ने बढ़त 3-0 की- भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने

उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले

मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने ल्यूक विलियम्स

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच बनाया है। विलियम्स पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली की जगह कोच बनाये गये हैं। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अब तक महिला लीग के चार में से दो सत्र जीते हैं, जिससे यह फ्रेंचाइजी लीग की सबसे सफल टीमों में से एक बनी हुई है। अब उसे नये कोच से इस सिलसिले को आगे बढ़ाते रहने की उम्मीद है। मुंबई इंडियंस ने आधिकारिक तौर पर विलियम्स को सत्र से पहले टीम का नया मुख्य कोच घोषित किया। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में बताया, मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि लिसा ने टीम के हेड कोच पद से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह 2027 महिला प्रीमियर लीग सीजन से पहले ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली ने फ्रेंचाइजी के साथ अपने कार्यकाल को समाप्त करने का निर्णय लिया। मुंबई इंडियंस ने उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। वहीं मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता एम अंबानी ने ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हम ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। ल्यूक ने



खुद को एक सफल कोच साबित किया है और उनके पास काफी अनुभव, महिला क्रिकेट की गहरी समझ और खिलाड़ियों के विकास के लिए मजबूत प्रतिबद्धता है। अंबानी ने विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम के भविष्य पर भरोसा जताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएगी, बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगी और युवा लड़कियों को प्रेरित करती रहेगी।

वहीं नए मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी से जुड़ने पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित और सफल संस्था से जुड़कर और खिलाड़ियों तथा सपोर्ट स्टाफ के इस प्रतिभाशाली समूह के साथ काम करके बेहद उत्साहित हूं।

रंग संसार

परिणीति ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब



हाल ही में अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। पोस्टपार्टम के दौरान महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर होने वाली चर्चा को अभिनेत्री ने अजीब बताया और सवाल उठाया कि उन्हें इसका सामना क्यों करना पड़ता है। परिणीति ने कहा, मैं इस पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इसे देखती ही नहीं हूं। सच कहूं तो मुझे इसके बारे में पता भी नहीं चलता, क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताती ही नहीं हूं और अगर कभी पता चल भी जाए तो इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने अपनी जिंदगी के प्रति अपनी सच्चाई पर जोर देते हुए कहा, मैं अपनी लाइफ को लेकर बहुत सच्ची हूं, मैं अपने समय, परिवार, दोस्तों और अपनी खुद की जिंदगी को लेकर सच्ची हूं। अभिनेत्री ने बताया कि वे सोशल मीडिया ट्रोलर्स से परेशान नहीं होती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मैं उन अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होने वाली जो मेरे बारे में बात करते हैं। इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास इसके लिए समय भी नहीं है। पोस्टपार्टम में वजन बढ़ने को लेकर कैटरिना कैफ की ट्रोलिंग पर परिणीति ने इस तरह की टिप्पणियों को अनपढ़े वाली बताया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, 2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेम किया जाता है तो मुझे ये बहुत ही अनपढ़ता वाली और अजीब बात लगती है कि खासकर उन महिलाओं के बारे में बात की जाती है जो अभी मां बनी हैं। मैं समझ नहीं पाती कि ऐसा क्यों होता है।

छठी मैया गाने में मेकर्स ने हर चीज का रखा ध्यान: तमन्ना भाटिया

मुंबई (यशभारत)। अपनी आगामी फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया नजर आने वाली हैं। बीते दिनों रीलजि हुआ इस फिल्म का छठ पूजा स्पेशल गाना छठी मैया (बोले तो छठी मइया सुनीं लीं चिनती हमार) दर्शकों के बीच खूब सराहा जा रहा है। तमन्ना भाटिया इस गाने में पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं और उन्हें मिल रहे अपार प्रेम से वे बेहद खुश हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में पहली बार इस त्योहार को इतने सम्मान और सच्चाई के साथ मनाया जा रहा है। तमन्ना ने फिल्म के मेकर्स की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा है और इस त्योहार को पूरी सच्चाई व संवेदनशीलता के साथ दिखाया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हिंदी सिनेमा में पहली बार छठ पूजा को इस तरह से पेश किया जा रहा है। सच कहूं तो दीपक और अरुणाभ सर इसे बहुत अच्छे से समझते हैं, क्योंकि उनके मन में इसके लिए बहुत सम्मान है। शूटिंग के दौरान



उन्होंने हर चीज का ध्यान रखा और इसे बहुत ही खूबसूरती और सम्मान के साथ शूट किया गया। तमन्ना भाटिया ने छठ के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि उनके लिए भी यह त्योहार बहुत मायने रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि गाने में इसके सार और भावनाओं को कितनी खूबसूरती से दिखाया गया है। अभिनेत्री ने आगे कहा, छठ पूजा आभार का प्रतीक है। हमारे पास जो कुछ भी है, यह त्योहार उसके प्रति शुक्रगुजार होने का त्योहार है। तमन्ना ने इस गाने का हिस्सा बनाने के लिए मेकर्स का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, तो, मुझे इसका हिस्सा बनाने के लिए

आपका शुक्रिया। अभिनेत्री ने बताया कि छठी मइया का यह गाना हर किसी का ध्यान खींच रहा है और सोशल मीडिया पर इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। उन्होंने फिल्म की अवधारणा पर भी बात की, यह फिल्म हम सभी के लिए बहुत खास है। हमारे देश में बहुत सारी लोक कहानियां हैं और उन्हें बड़े पर्दे पर लाने के लिए बहुत हिम्मत, स्पष्टता और विजन की जरूरत होती है। फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। इनके अलावा, फिल्म में मनीषा पॉल, श्वेता तिवारी, सुनील शोहर और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं।



महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं: जेबा



हाल ही में बिग बॉस-20 के कंटेस्टेंट आसिफ खान की पत्नी जेबा ने उनके और शो की साथी कंटेस्टेंट लव गिल की बढ़ती कथित नजदीकियों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। सोशल मीडिया पर जेबा ने लोगों से अपील की है कि वे महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं, बल्कि 24 घंटे की लाइव फीड देखकर ही किसी नतीजे पर पहुंचें। दरअसल, बिग बॉस के घर के अंदर से आसिफ और लव के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए थे, जिसके बाद कुछ लोगों ने उनकी दोस्ती पर सवाल उठाए और कयास लगाए कि इससे आसिफ की शादी पर असर पड़ सकता है। इन अटकलों और ट्रोलिंग से आहत जेबा ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने लोगों को गलत धारणाएं बनाने से परहेज करने की बात कही और स्थिति स्पष्ट की। जेबा ने अपने नोट में लिखा, आसिफ की पत्नी होने के नाते मैं ये बात साफ करना चाहती हूं कि जो लोग मेरे पति के बारे में अलग-अलग कहानियां बना रहे हैं। मैं खासतौर पर शो के कुछ खास पलों और हमारी शादी पर उठ रहे सवालों की बात कर रही हूं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे छोटे-छोटे क्लिप्स पर भरोसा करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा, प्लीज सोशल मीडिया पर चल रहे कुछ क्लिप्स को देखकर जज मत कीजिए, 24गुणा7 लाइव फीड देखिए।

अवॉर्ड्स की मेजबानी करना सम्मान की बात: पंकज त्रिपाठी

मुंबई (यशभारत)। आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 में बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी पहली बार होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। इस बारे में अभिनेता ने कहा कि अपने पूरे करियर में उन्होंने दूसरों के किरदारों को जिया है, लेकिन आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स की मेजबानी करना एक रोमांचक और सम्मानजनक अवसर है।

उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, एक एक्टर के लिए कुछ पल ऐसे होते हैं जो थोड़ी ज्यादा घबराहट और बहुत सारी खुशी लेकर आते हैं और पहली बार आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स को होस्ट करना उन्हीं में से एक है। उन्होंने बताया कि कैमरे के सामने किरदारों के जरिए कहानियां सुनाते हुए उन्होंने अपना अधिकांश सफर तय किया है, इसलिए आईआईएफए जैसे प्रतिष्ठित मंच पर एक बिल्कुल अलग भूमिका में आना उनके लिए बेहद उत्साहजनक और सम्मान की बात है। अभिनेता ने आगे कहा कि किसी अवॉर्ड शो को होस्ट करने का यह उनका पहला अनुभव होगा, जो इस पल को उनके लिए और भी खास बनाता है। पंकज त्रिपाठी डिजिटल दुनिया के तेजी से



जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाएंगे। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के आगामी संस्करण में डिजिटल और मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के लिए दो जोड़े होस्ट होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की मेजबानी करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।

बढ़ते प्रभाव को भी स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, डिजिटल दुनिया ने कहानियां बनाने, खोजे जाने और पसंद किए जाने के तरीके को बदल दिया है और आईआईएफए का इस नई पीढ़ी को पहचान देना बहुत मायने रखता है। इतने सारे प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रिएटर्स के साथ इस जर्नन का हिस्सा बनना उनके लिए गौरव की बात है। पंकज त्रिपाठी का मानना है कि आईआईएफए ने हमेशा ही भारतीय सिनेमा को विश्व मंच पर प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा, आईआईएफए हमेशा से भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक लेकर गया है और मैं भी जोश, गर्मजोशी और थोड़े से ह्यूमर के साथ आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 के मंच पर आने के लिए उत्सुक हूं। वे स्ट्रेज के दूसरी तरफ से आईआईएफए के जादू को महसूस करने का इंजान नहीं कर सकते और उम्मीद करते हैं कि वे अपनी जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाएंगे। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफए) के आगामी संस्करण में डिजिटल और मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के लिए दो जोड़े होस्ट होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफए डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की मेजबानी करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफए अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।

स्वा.मी., प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. कैंद्री बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित, 3 इन्दा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीश तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारिया
फोन - 91112101000, डाक पंजीयन क्र. एसएमपी/जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email- bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)